नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 012
दि. 12.05.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'कोई ताकत भारत को...', सोमनाथ से पीएम मोदी ने दुनिया को दिया अग्रेसिव मैसेज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं. सोमवार को उन्होंने गिर सोमनाथ में भव्य रोड शो किया और सोमनाथ मंदिर में कुंभाभिषेक व पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया.

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री मोदी रविवार से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं. सोमवार को उन्होंने गिर सोमनाथ में भव्य रोड शो किया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने उनका स्वागत किया. इसके बाद प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर पहुंचे और वहां कुंभाभिषेक तथा पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया.प्रधानमंत्री आज शाम वडोदरा में सरदारधाम छात्रावास का उद्घाटन भी करेंगे. इसके साथ ही वे दोनों कार्यक्रमों में जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे.

भारत को कोई झुका नहीं सकता

गुजरात में सोमनाथ अमृत महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की सांस्कृतिक विरासत, आत्मविश्वास और राष्ट्र की ताकत को लेकर बड़ा संदेश दिया. अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि इतिहास में कई आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर हमला किया और उसके वैभव को मिटाने की कोशिश की, लेकिन वे कभी सफल नहीं हो सके.

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही किसी दबाव में ला सकती है. उन्होंने 11 मई 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय पूरी दुनिया भारत के खिलाफ खड़ी हो गई थी. परमाणु परीक्षण के बाद भारत पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे और दुनिया की आंखें लाल हो गई थीं, लेकिन भारत पीछे नहीं हटा.

सरदार वल्लभभाई पटेल को किया याद

पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के समय सरदार वल्लभभाई पटेल ने 500 से ज्यादा रियासतों को जोड़कर देश को एकजुट किया और सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प भी पूरा किया. उन्होंने कहा कि उन्हें कई बार सोमनाथ आने का अवसर मिला है और कुछ समय पहले भी वे यहां आए थे.

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आक्रमणकारी सोमनाथ को सिर्फ एक भौतिक ढांचा मानते रहे, इसलिए बार-बार इसे तोड़ा गया. लेकिन हर बार सोमनाथ फिर खड़ा हो गया, क्योंकि तोड़ने वाले भारत की वैचारिक शक्ति को समझ नहीं सके. उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति भौतिक शरीर को नश्वर मानती है, लेकिन उसके भीतर की आत्मा को अविनाशी मानती है. पीएम मोदी ने कहा कि शिव तो सर्वात्मा हैं और यही भारत की सनातन चेतना की सबसे बड़ी ताकत है.

'कई बार सोमनाथ आने का मिला अवसर'

पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें कई बार सोमनाथ आने का अवसर मिला है. उन्होंने कहा कि अभी कुछ समय पहले भी वे सोमनाथ आए थे और इस पवित्र धाम से उनका विशेष जुड़ाव रहा है. प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं.

गुजरात में सोमनाथ अमृत महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के स्वाभिमान, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र की ताकत को लेकर बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि हमारे यहां स्वाभिमान जैसे विषय पर भी राजनीति होती है.

पोखरण परमाणु परीक्षण को किया याद

प्रधानमंत्री ने 11 मई 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय पूरी दुनिया भारत के खिलाफ खड़ी हो गई थी. परमाणु परीक्षण के बाद भारत पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगाए गए थे. उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया में तूफान जैसा माहौल बन गया था और कई देशों की आंखें लाल हो गई थीं, लेकिन भारत अपने फैसले पर मजबूती से कायम रहा.

'सोमनाथ बार-बार टूटकर भी खड़ा होता रहा'

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आक्रमणकारी सोमनाथ को सिर्फ एक भौतिक ढांचा मानते रहे, इसलिए इसे बार-बार तोड़ा गया. लेकिन हर बार सोमनाथ फिर खड़ा हो गया. उन्होंने कहा कि तोड़ने वाले भारत की वैचारिक शक्ति को समझ नहीं सके. भारतीय संस्कृति भौतिक शरीर को नश्वर मानती है, लेकिन उसके भीतर की आत्मा को अविनाशी मानती है. प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के अंत में कहा कि शिव केवल देव नहीं, बल्कि सर्वात्मा हैं. उन्होंने कहा कि यही भारत की सनातन चेतना और आध्यात्मिक शक्ति की सबसे बड़ी पहचान है.

पीएम की 24 घंटे में दूसरी अपील: डेस्टिनेशन वेडिंग से बचें, ऑनलाइन क्लासेज चुनें; फिर किया ईंधन बचाने का आ'ान

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंट में लगातार दूसरी बार देशवासियों से तेल की बचत करने की अपील की है। उन्होंने वडोदरा में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट पिछले कई वर्षों के सबसे गंभीर संकटों में से एक है। उन्होंने विश्वास जताया कि जैसे भारत ने कोविड-19 महामारी से सफलतापूर्वक उबरकर आगे बढ़ा, वैसे ही इस संकट से भी देश बाहर निकलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को वैश्विक सप्लाई चेन का एक बड़ा हिस्सा बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है, ताकि देश की आर्थिक स्थिति और मजबूत हो सके। उन्होंने संबोधन से पहले 'सरदारधाम-3' शैक्षणिक संकुल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन किसी पवित्र त्योहार से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने से पहले वे सोमनाथ मंदिर भी गए थे, जहां उन्हें सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित अमृत महोत्सव में शामिल होने का अवसर मिला। पीएम मोदी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का सपना सरदार पटेल के संकल्प से ही पूरा हुआ था। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक धरोहर भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक है।

उन्होंने यह भी कहा कि जब भी देश पर युद्ध या कोई बड़ी आपदा आई है, तब नागरिकों ने सरकार के आ'ान पर अपनी जिम्मेदारी निभाई है और अब भी इसी एकजुटता की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि आयात पर निर्भरता कम करने के प्रयास किए जाएं और ऐसे व्यक्तिगत खर्चों से बचा जाए जिनमें विदेशी मुद्रा का उपयोग होता है।

पीएम ने एक बार फिर से लोगों से अपील की कि ईंधन की खपत कम करें और निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाएं या इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग फिलहाल सोना खरीदने जैसी गैर-जरूरी खर्च वाली चीजों को टालें, ताकि देश की आर्थिक स्थिरता को मजबूती मिल सके। उन्होंने स्कूलों में अस्थायी रूप से ऑनलाइन कक्षाएं चलाने की सलाह भी दी, ताकि मौजूदा परिस्थितियों में शिक्षा व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले भी जब देश युद्ध या किसी बड़े संकट से गुजरा है, तब हर नागरिक ने सरकार के आ'ान पर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। आज भी सभी लोगों को मिलकर देश के संसाधनों पर बोझ कम करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भारत कई वस्तुओं के आयात पर लाखों करोड़ रुपये विदेशी मुद्रा खर्च करता है, जबकि आयातित वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और वैश्विक सप्लाई चेन भी प्रभावित है।

सोमनाथ मंदिर अटूट आस्था, दिव्यता और भारत की शाश्वत आत्मा के पवित्र प्रतीक के रूप में खड़ा है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर के पुनर्स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया

आज से ठीक 75 साल पहले इसी दिन सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना कोई साधारण घटना नहीं थी; अगर 1947 में भारत आजाद हुआ था, तो 1951 में सोमनाथ की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था : प्रधानमंत्री

सोमनाथ अमृत महोत्सव अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा है : प्रधानमंत्री

लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर का वैभव मिटाने का प्रयास किया; सोमनाथ को केवल एक भौतिक ढांचा मानकर उससे टकराते रहे; बार-बार मंदिर को तोड़ा गया, ये बार-बार बनता रहा, हर बार उठ खड़ा होता रहा : प्रधानमंत्री

सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण भी हुआ और देश ने सदियों के कलंक को भी धो दिया: प्रधानमंत्री

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तभी लंबे समय तक मजबूत रह सकता है, जब वह अपनी जड़ों से जुड़ा रहे: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया।

सोमनाथ मंदिर परिसर में इसकी पुनर्स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक भव्य सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस आयोजन को महज एक औपचारिक समारोह से कहीं अधिक, भारत की शाश्वत चेतना और सभ्यतागत दृढ़ता की घोषणा बताया। इस ऐतिहासिक सभा में वैदिक मंत्रों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और समुद्र की लहरों की गर्जना के संगम से दिव्य भक्ति और राष्ट्रीय गौरव का अद्भुत संगम देखने को।

राज्यपाल पटेल, मुख्यमंत्री योगी ने वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए

वाराणसी, 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, अटूट आस्था की गौरव गाथा' के तहत वाराणसी में आयोजित 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' में शामिल होने पहुंची उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। आधिकारिक बयान के मुताबिक, पटेल और योगी ने सोमनाथ से आए जल से काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक किया और बाबा के दरबार में माथा टेककर लोगों के कल्याण की कामना की। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में राज्यपाल को अंगवस्त्र और रुद्राक्ष की माला भेंट की। इसमें कहा गया है कि पीला वस्त्र धारण किए मंदिर के शास्त्रीगण ने शंख ध्वनि और कलाकारों ने डमरू आदि वाद्य यंत्र बजाकर राज्यपाल और मुख्यमंत्री का मंदिर प्रांगण में स्वागत किया।

योगी सरकार में उच्च शिक्षा की नई उड़ान, अब डिग्री कॉलेजों को भी मिलेगी राष्ट्रीय रैंकिंग

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। कभी नैक (NAAC) रैंकिंग में बी और बी-प्लस ग्रेड तक सीमित रहने वाले प्रदेश के विश्वविद्यालय अब ए++, ए+ और ए ग्रेड हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं। अब सरकार का अगला लक्ष्य प्रदेश के डिग्री कॉलेजों को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग दिलाना है।

इसी दिशा में डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है, ताकि संस्थानों को गुणवत्ता सुधार और रैंकिंग के मानकों के अनुरूप तैयार किया जा सके।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विधानसभा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सरकार अब केवल विश्वविद्यालयों तक सीमित नहीं रहेगी। अगले चरण में प्रदेश के डिग्री कॉलेजों को भी नैक और अन्य राष्ट्रीय रैंकिंग में शामिल कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्राचार्यों और शिक्षकों को विशेष कार्यशालाओं के माध्यम से यह जानकारी दी जा रही है कि संस्थानों में रिसर्च कल्चर, डिजिटल एजुकेशन, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्र सुविधाओं को बेहतर बनाकर रैंकिंग कैसे प्राप्त की जा सकती है।

सरकार कॉलेजों में छात्र संख्या बढ़ाने, नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम विकसित करने और रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने पर भी विशेष ध्यान दे रही है। योगी सरकार का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है। मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब केवल सबसे अधिक विश्वविद्यालयों वाला राज्य नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का अग्रणी केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। उन्होंने बताया कि योगी सरकार के आने से पहले अधिकांश विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग में बी या बी-प्लस ग्रेड तक सीमित थे और कोई भी विश्वविद्यालय ए श्रेणी में नहीं था।

राज्यपाल और विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति के नेतृत्व में आयोजित विशेष कार्यशालाओं के जरिए विश्वविद्यालयों को गुणवत्ता सुधार, शोध, डिजिटल संसाधनों और अकादमिक वातावरण को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। इसका परिणाम यह हुआ कि आज उत्तर प्रदेश के सात विश्वविद्यालय ए++ ग्रेड हासिल कर चुके हैं, जबकि चार विश्वविद्यालय ए+ और दो विश्वविद्यालय ए ग्रेड में पहुंच चुके हैं।

गहलोत ने प्रधानमंत्री मोदी से पश्चिम एशिया संकट को लेकर की गई अपील पर स्पष्टीकरण मांगा

जयपुर, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पश्चिम एशिया संकट के संदर्भ में लोगों से की गई खर्चों में कटौती संबंधी अपील के पीछे की परिस्थितियों को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए।

जयपुर हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री की लोगों से सोना न खरीदने और विदेश यात्रा से बचने की अपील ने बड़े पैमाने पर अटकलों और आलोचनाओं को जन्म दिया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का हवाला देते हुए गहलोत ने कहा कि विपक्ष के नेता की चिंताओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार चुनावों के बाद संभवतः कीमतों या शुल्कों में वृद्धि की तैयारी कर रही है।

क्या बंगाल में भी चलेगा योगी मॉडल? सुवेंदु कैबिनेट की पहली ही बैठक में दिखे संकेत , मीटिंग की फोटो वायरल

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ से काफी प्रभावित नजर आ रहे हैं। बंगाल में चुनाव प्रचार से लेकर शपथ ग्रहण समारोह तक सुवेंदु अधिकारी और योगी आदित्यनाथ के बीच अलग ही रिश्ता देखने को मिला।

ताजा घटनाक्रम में सुवेंदु एक बार फिर योगी के रंग में रंगे नजर आए। प्रशासनिक समीक्षा बैठक के दौरान सीएम सुवेंदु जिस कुर्सी पर बैठे थे उस पर भगवा तौलिया पड़ा हुआ था। ठीक वैसे ही जैसे योगी की कुर्सी पर भगवा तौलिया बिछा हुआ होता है।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर एक पोस्ट किया, जिसमें दो तस्वीरें भी थीं। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, "आज नबन्ना में मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला (IAS), गृह सचिव श्रीमती

संघमित्रा घोष (IAS), डीजीपी सिद्ध नाथ गुप्ता (IPS) और सीपी कोलकाता पुलिस अजय नंद (IPS) के साथ एक उच्च-स्तरीय प्रशासनिक समीक्षा बैठक आयोजित की, ताकि पश्चिम बंगाल राज्य में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक स्थिति का जायजा लिया जा सके।"

उन्होंने आगे लिखा, "हमने पश्चिम बंगाल में हर नागरिक की सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर चर्चा की। पारदर्शी और कुशल शासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पूर्ण है।"

शपथ ग्रहण के दौरान भी दिखी केमिस्ट्री

कोलकाता में शपथ ग्रहण के दौरान भी सुवेंदु अधिकारी और योगी आदित्यनाथ के बीच अलग ही केमिस्ट्री देखने को मिली थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारी को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देते हुए उनके गले में भगवा रंग का स्कार्फ डाला। अधिकारी ने शपथ ग्रहण समारोह में पारंपरिक बंगाली शैली में पहनी हुई धोती और भगवा रंग का कुर्ता पहनकर हिस्सा लिया।

नर्सरी की मासूम से दरिंदगी पर दिल्ली सरकार का एक्शन!भेजा गया नोटिस, स्कूल का लाइसेंस हो सकता है कैंसिल

दिल्ली के शिक्षा जगत से एक बेहद चौंकाने वाली और शर्मनाक खबर सामने आई है। वेस्ट-बी जिला स्थित एक स्कूल में नर्सरी की छात्रा के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद दिल्ली सरकार का शिक्षा निदेशालय पूरी तरह एक्शन मोड में है। निदेशालय ने स्कूल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही को देखते हुए उसे 'कारण बताओ नोटिस' जारी कर दिया है। यह मामला न केवल बच्चों की सुरक्षा पर सवाल उठाता है, बल्कि स्कूल प्रशासन की उस लापरवाही को भी उजागर करता है जहाँ नियमों को ताक पर रखकर बच्चों के भविष्य और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था।

भारत और श्रीलंका सदियों पुराने सभ्यतागत, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को साझा करते हैं: लोक सभा अध्यक्ष

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज कहा कि भारत और श्रीलंका गहरे सभ्यतागत, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों से बंधे हुए हैं, जो सदियों से विकसित हुए हैं। दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये अटूट संबंध आज भी भारत और श्रीलंका के बीच मैत्रीपूर्ण रिश्तों का आधार हैं। श्री बिरला ने ये उद्गार आज संसद भवन में श्रीलंका के 'महिला सांसद कॉकस' के साथ बातचीत के दौरान व्यक्त किये। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्रीलंका सरकार की महिला एवं बाल मामलों की मंत्री महामहिम सुश्री सरोजा सावित्री पॉलराज कर रही थीं।

हाल ही में श्री एस.एम. मरिक्कर के नेतृत्व में आए श्रीलंकाई संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई अपनी बातचीत को याद करते हुए श्री बिरला ने दोनों देशों के बीच बढ़ते संसदीय आदान-प्रदान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सांसदों के बीच निरंतर संवाद और नियमित मुलाकातों ने भारत-श्रीलंका के संसदीय संबंधों को नई गति दी है और आपसी समझ को मजबूत किया है।

भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए श्री बिरला ने कहा कि आज महिलाएं शासन और राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में—चुनाव प्रक्रिया से लेकर नीति निर्धारण और नेतृत्व की भूमिकाओं तक—सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण अब "महिलाओं के विकास" के स्थान पर "महिलाओं के नेतृत्व में विकास" हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ विश्वास है कि जब महिलाएं विकास का नेतृत्व करती हैं, तो समाज अधिक समावेशी, संतुलित और टिकाऊ बनता है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी की अपीलों का पालन करने का आग्रह किया

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी की अपीलों का पालन करने का आग्रह किया

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से की गई सात सशक्त अपीलों का पालन करने का आग्रह किया है। डॉ. सिंह आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कल देशवासियों से सात अपीलें की थीं, जिसमें वर्क फ्राम होम को प्राथमिकता देना, ईंधन की खपत कम करना, एक वर्ष तक विदेश यात्रा से बचने और स्वदेशी उत्पादों को अपनाना शामिल था। उन्होंने नागरिकों से खाना पकाने के तेल की खपत कम करने, प्राकृतिक खेती को बढावा देने तथा सोने की अनावश्यक खरीदारी से

बचने का भी आग्रह किया था।

इस अवसर पर डॉ. सिंह ने कहा कि आज ही के दिन वर्ष 1998 में पोखरण में तीन परमाणु परीक्षण किए गए थे। डॉ. सिंह ने बताया कि पिछले एक दशक में भारत का रक्षा उत्पादन 174 गुना बढ़कर एक लाख 54 हजार करोड़ रुपये हो गया है। पिछले एक दशक में रक्षा निर्यात में 34 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने सार्वजनिक-निजी संबंधों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2014 में देश में लगभग 350 स्टार्टअप थे, लेकिन आज देश में दो लाख से अधिक स्टार्टअप हैं।

इस दौरान, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने कहा कि राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन, डीपटेक और एआई मिशन, क्वांटम तथा सेमीकंडक्टर मिशन और बायो-ई3 का उल्लेख करते हुए कहा कि देश नवाचार का ऐसा ढांचा तैयार कर रहा है जिसकी बराबरी कुछ ही देश कर सकते हैं।

पीएम मोदी की अपील पर सीएम पुष्कर सिंह धामी बोले- 'जो इस देश से प्यार करता है...'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद से देशवासियों को एक बड़ा संदेश दिया. पीएम के इस संदेश को सीएम धामी ने धरातल पर उतारने के लिए लोगों से अपील कर दी है.

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में जब पश्चिमी देशों में तनाव चरम पर है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद से देशवासियों को एक बड़ा संदेश दिया. उन्होंने ऊर्जा संसाधनों की बचत और स्वदेशी को अपनाने की अपील करते हुए देश की आत्मनिर्भरता की नींव और मजबूत करने का आ'ान किया.

प्रधानमंत्री के इस संदेश को उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्परता से आगे बढ़ाया. उन्होंने कहा कि यह केवल एक सरकारी अपील नहीं, बल्कि हर उस नागरिक की जिम्मेदारी है जो इस देश से प्यार करता है.

बांदा में मदर्स डे पर कातिल बना बेटा, मां को गोली मारकर उतारा मौत के घाट, भाई की भी कर दी हत्या

राष्ट्रीय हित को सबसे ऊपर रखना जरूरत- सीएम धामी

मुख्यमंत्री धामी ने साफ शब्दों में कहा कि राष्ट्रीय हित को सबसे ऊपर रखना आज के वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है. उन्होंने जनता से कुछ ऐसे

व्यावहारिक कदम उठाने की अपील की जो देखने में भले ही छोटे लगें, लेकिन मिलकर देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल सकते हैं.

सीएम धामी ने आगे कहा कि जब तक बेहद जरूरी न हो अनावश्यक विदेश यात्राओं से परहेज करें. उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल की खपत घटाने के लिए निजी वाहन की जगह सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें. स्थानीय और स्वदेशी उत्पादों को खरीदारी में पहली प्राथमिकता दें.

उन्होंने कहा कि एक साल तक सोने के गहनों की खरीद से बचें, ताकि विदेशी मुद्रा बचे. खेती में रासायनिक उर्वरकों की जगह प्राकृतिक खाद का इस्तेमाल करें. खाद्य तेल का संयमित उपयोग करें और बबार्दी रोकें. घर और दफ्तर में बिजली की बचत को आदत बनाएं.

'वोकल फॉर लोकल' नारा नहीं अब निर्णय बनाना होगा-सीएम धामी

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हम सब मिलकर ये छोटे-छोटे संकल्प ले लें, तो देश की अर्थव्यवस्था में हमारा योगदान किसी बड़े निवेश से कम नहीं होगा. धामी ने जोर देकर कहा कि आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल जैसे संकल्प तब तक कागजों पर ही रहेंगे जब तक हर नागरिक इन्हें अपने रोजमर्रा के फैसलों में नहीं उतारता.

बाजार से खरीदारी करते वक्त अगर हम एक बार यह सोच लें कि जो चीज हम खरीद रहे हैं वह देश में बनी है या नहीं तो यही सोच एक क्रांति बन सकती है. उन्होंने उत्तराखंड की जनता पर विशेष भरोसा जताया और कहा कि देवभूमि के लोग हमेशा से राष्ट्रीय संकट की घड़ी में सबसे आगे खड़े रहे हैं. यहां की जनता प्रधानमंत्री के इस आ'ान को महज एक अपील नहीं, बल्कि जन आंदोलन का रूप देगी.

नागरिक सहभागिता ही असली ताकत

मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की राह पर तेज कदमों से बढ़ रहा है. सरकार अपनी तरफ से नीतियां बना रही है, योजनाएं चला रही है, लेकिन इस सफर को मंजिल तक पहुंचाने के लिए हर नागरिक की भागीदारी अनिवार्य है. देश को इस वक्त बड़े नेताओं के बड़े भाषणों से नहीं, बल्कि आम नागरिकों के छोटे-छोटे फैसलों से ताकत मिलेगी.

लखनऊ की महिला कैटरिंग कारोबारी से अभद्रता

(जीएनएस)।

बहराइच। शहर के एक रिसॉर्ट में कैटरिंग सेवा देने के बाद भुगतान को लेकर विवाद हो गया। लखनऊ के गुडंबा इलाके की महिला कैटरिंग कारोबारी सोनम चौरसिया ने रविवार रात को कोतवाली देहात में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनके साथ गाली-गलौज व अभद्रता की गई। उन्हें जान से मारने की धमकी का आरोप लगाया। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता सोनम चौरसिया ने बताया कि वह पांच मई को अपने साथियों के साथ बहराइच के लेजर रिसॉर्ट में आयोजित एक कार्यक्रम में कैटरिंग का काम करने आई थीं। उनके अनुसार लखनऊ के तुषार गुप्ता की सर्विस के तहत यह कार्य लिया गया था। कार्यक्रम के बाद छह मई की दोपहर करीब 1:30 बजे सगुन में मिले 2000 रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद शुरू हो गया।आरोप है कि तुषार गुप्ता के मैनेजर आकाश गुप्ता ने पैसे को लेकर सोनम से अभद्रता की। पीड़िता का कहना है कि मैनेजर के साथ ही वेटर हेड प्रदीप ने भी जान से मारने की धमकी दी है। कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक दद्दन सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

अयोध्यावासियों अब इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा लखनऊ, रामनगरी में बन रहा 7 मंजिला मॉडर्न अस्पताल, 163 करोड़ आ रहा खर्च

(जीएनएस)।

अयोध्या अब सिर्फ धार्मिक और पर्यटन नगरी के रूप में ही नहीं, बल्कि आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के बड़े केंद्र के तौर पर भी तेजी से विकसित हो रही है. राम मंदिर निर्माण के बाद शहर में विकास कार्यों की रफ्तार लगातार बढ़ी है और अब लोगों को बेहतर इलाज देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है. रामपथ पर करोड़ों रुपये की लागत से 300 बेड का अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तैयार किया जा रहा है, जहां बड़े शहरों जैसी मेडिकल सुविधाएं मिलेंगी. इस हाईटेक अस्पताल के बनने के बाद अयोध्या समेत आसपास के कई जिलों के मरीजों को इलाज के लिए लखनऊ या वाराणसी नहीं जाना पड़ेगा.

अयोध्याः रामनगरी अयोध्या में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है. राम मंदिर निर्माण के बाद जहां अयोध्या धार्मिक और पर्यटन नगरी के रूप में विकसित हो रही है. वहीं अब स्वास्थ्य सुविधाओं को भी नई पहचान देने की तैयारी शुरू हो गई है. इसी कड़ी में अयोध्या कैंट क्षेत्र के रामपथ पर 300 शैय्या वाले अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है. यह अस्पताल आने वाले समय में अयोध्या

ही नहीं बल्कि आसपास के कई जिलों के लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगा.

करीब 163.71 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा यह विशाल अस्पताल पुराने सीतापुर आंख अस्पताल की जगह पर ईपीसी मोड के तहत बनाया जा रहा है. सात मंजिला इस हाईटेक अस्पताल को आधुनिक तकनीकों और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं से लैस किया जाएगा. अस्पताल के निर्माण का उद्देश्य अयोध्या और आसपास के लोगों को बड़े शहरों जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है ताकि गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को लखनऊ, वाराणसी या अन्य बड़े शहरों की ओर न जाना पड़े.

विकसित होगी आधुनिक सुविधाएं

इस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में ओपीडी, जनरल वार्ड, अत्याधुनिक आईसीयू, मॉडर्न ऑपरेशन थिएटर, इमरजेंसी यूनिट, ट्रॉमा सुविधा, डायग्नोस्टिक सेंटर समेत कई उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी. इसके अलावा अस्पताल परिसर में डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा भी विकसित की जाएगी, ताकि मरीजों को चौबीसों घंटे बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें. आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता से यह अस्पताल पूर्वांचल क्षेत्र का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है.

वशिष्ठ कुंज की तर्ज पर प्राधिकरण अयोध्या में ला रहा न्यू टाउनशिप

1 घंटे में 1500 रोटियां होंगी तैयार, रामनगरी में अस्पताल भी हो रहा हाईटेक

मजबूत होगा स्वास्थ्य सेवा

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि अयोध्या में स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूत करने के उद्देश्य से इस मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण कराया जा रहा है. उन्होंने कहा कि अस्पताल बनने के बाद अयोध्या वासियों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी. उन्होंने यह भी बताया कि परियोजना को तय समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है.

'राजनीतिक कुसंस्कार, वैचारिक दिवालियापन', पीएम पर सपा सांसद के बयान पर सीएम योगी का निशाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय जननेता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति सपा सांसद की ओर से की गई असंसदीय टिप्पणी अशोभनीय और अक्षम्य है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी के एक सांसद ने सोमवार (11 मई) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अशोभनीय टिप्पणी की. इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सपा सांसद पर खूब बरसे. उन्होंने सांसद के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं के लिए आघात करार दिया. सीएम ने कहा कि वक्त आने पर जनता इसका जवाब जरूर देगी.

PM मोदी के खिलाफ टिप्पणी अशोभनीय- योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, "विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय जननेता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति एक सांसद द्वारा की गई असंसदीय टिप्पणी न केवल अशोभनीय और अक्षम्य है, बल्कि भारतीय लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर भी गंभीर आघात है."

यह भारत के जनादेश, विश्वास का अपमान- योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा, "सपा सांसद का यह कृत्य राजनीतिक कुसंस्कार, वैचारिक दिवालियापन और सार्वजनिक जीवन की शालीनता के प्रति अनादर को प्रकट करता है. मुख्यमंत्री ने सपा सांसद की इस टिप्पणी को 145 करोड़ देशवासियों के जनादेश, विश्वास और भारत की लोकतांत्रिक गरिमा का भी अपमान बताया. सीएम योगी ने कहा कि देश की जनता ऐसे अमर्यादित आचरण का उत्तर समय आने पर जरूर देगी.

हमीरपुर से सपा के सांसद ने की थी पीएम मोदी के खिलाफ टिप्पणी

हमीरपुर से सपा के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की थी. कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्होंने बीजेपी को मुकदमा दर्ज कराने की चुनौती दी और साथ ही ये भी कहा कि वो डरने वाले नहीं हैं. कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार (11 मई) सपा नेताओं और कार्यकताओं ने स्मार्ट मीटर, बिजली और पानी संकट को लेकर ज्ञापन सौंपा. इसके बाद ही सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने मीडिया के सामने आकर PM मोदी के लिए अपशब्द कहे.

भाजपा का नया केंद्र बनेगा लखनऊ का मॉल एवेन्यू, प्रदेश अध्यक्ष बोले- इसी महीने संगठन में होगा बड़ा बदलाव

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का संगठन मई माह के अंत में बदला हुआ नजर आएगा.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पहली बार अपने आवास में प्रेस कॉन्फ्रेंस की.

(जीएनएस)।

लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी अब लखनऊ में ज्यादा समय बिताएंगे. उन्होंने मॉल एवेन्यू में अपना नया आवास लिया है. अब मॉल एवेन्यू का यह आवास ही यूपी बीजेपी का नया केंद्र बनेगा. यहां से संगठनात्मक गतिविधियां और तेज होंगी. प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का संगठन मई माह के अंत में बदला हुआ नजर आएगा. न केवल बोर्ड और आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद पर नए पदाधिकारी मनोनीत किए जाएंगे, बल्कि उत्तर प्रदेश के भाजपा संगठन में जो बदलाव होने हैं वह इसी महीने कर दिए जाएंगे.

पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हैं. वे केंद्र सरकार में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. पहले उनकी व्यस्तता के कारण वे लखनऊ में कम समय दे पाते थे, लेकिन अब उन्होंने फैसला किया है कि प्रदेश की राजधानी में ज्यादा समय देकर संगठन को मजबूत किया जाएगा. मॉल एवेन्यू स्थित उनके नए आवास को पार्टी का नया हब बनाने की तैयारी चल रही है. यहां नियमित रूप से कार्यकर्ता मिल सकेंगे, बैठकें होंगी और पार्टी की रणनीतियां तैयार की जाएंगी.

पंकज चौधरी ने आज पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस इस आवास में करके इस बात का खुला ऐलान किया है. वह प्रेस कॉन्फ्रेंस आसानी से भाजपा प्रदेश मुख्यालय में कर सकते थे, बावजूद उन्होंने आवास को चुना. प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने खुद ही कहा कि निश्चित तौर पर वे अब अपने आवास में लोगों से मिलते रहेंगे. उन्होंने माना की महत्वपूर्ण बैठक यहां होगी. यहां से रणनीतियां बनाई जाएगी और लागू की जाएगी.

मॉल एवेन्यू इलाका पहले से ही महत्वपूर्ण माना जाता है. यहां कई वीआईपी आवास हैं और सुरक्षा व्यवस्था भी अच्छी है. पार्टी के लिए यह जगह सुविधाजनक साबित होगी. भाजपा उत्तर प्रदेश में अपनी संगठनात्मक ताकत के लिए जानी जाती है. पंकज चौधरी ने बताया कि निश्चित तौर पर इसी महीने हम पूरा संगठन बदल देंगे. चुनाव में अब मान सकते हैं कि केवल 8 महीने का समय बचा हुआ है. जिसके बीतते समय नहीं लगेगा. उन्होंने बताया कि आयोग और बोर्ड में भी नए मेंबर की तैनाती जल्द कर दी जाएगी.

पीएम मोदी के सोना न खरीदने की अपील के विरोध, लखनऊ सराफा बाजार बंद; व्यापारियों ने जताई नाराजगी

लखनऊ महानगर सराफा एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों को एक साल तक सोना ना खरीदने की गई अपील की वजह से एक दिवसीय व्यापार बंद का आंदोलन किया है.

(जीएनएस)।

लखनऊ महानगर सराफा एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों को एक साल तक सोना ना खरीदने की गई अपील की वजह से एक दिवसीय व्यापार बंद का आंदोलन किया है.

'एक साल तक सोना न खरीदें' के विरोध में लखनऊ सराफा बाजार बंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल देशवासियों को एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की है. जिसके बाद से विरोध में लखनऊ महानगर सराफा एसोसिएशन ने एक दिवसीय व्यापार बंद कर विरोध प्रदर्शन किया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल देशवासियों को एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की है. जिसके बाद से विरोध में लखनऊ महानगर सराफा एसोसिएशन ने एक दिवसीय व्यापार बंद कर विरोध प्रदर्शन किया है.

एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा ने कहना है कि सराफा बाजार पहले से ही मंदी के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में यह अपील करना की एक साल तक कोई भी सोना ना खरीदे, वे व्यापारियों के लिए

बेहद निराश करने वाली बात है. उन्होंने देश भर के सराफा व्यापारियों से एकजुट होकर इस मुहिम में शामिल होने का निवेदन किया है.

एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा ने कहना है कि सराफा बाजार पहले से ही मंदी के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में यह अपील करना की एक साल तक कोई भी सोना ना खरीदे, वे व्यापारियों के लिए बेहद निराश करने वाली बात है. उन्होंने देश भर के सराफा व्यापारियों से एकजुट होकर इस मुहिम में शामिल होने का निवेदन किया है.

ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्ड स्मिथ फेडरेशन के प्रदेश संयोजक विनोद माहेश्वरी ने बताया कि सराफा कारोबार में सिर्फ बड़े शोरूम नहीं है, बल्कि इसमें लाखों छोटे सोनार कारीगर जुड़ें हुए हैं, जो इस आंदोलन में शामिल हुए हैं.

ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्ड स्मिथ फेडरेशन के प्रदेश संयोजक विनोद माहेश्वरी ने बताया कि सराफा कारोबार में सिर्फ बड़े शोरूम नहीं है, बल्कि इसमें लाखों छोटे सोनार कारीगर जुड़ें हुए हैं, जो इस आंदोलन में शामिल हुए हैं.

अगर जनता ने सोना खरीदना बंद कर दिया तो सोनारों को आर्थिक और भुखमरी जैसी परेशानियां झेलनी पड़ेगी. वहीं भारतीय संस्कृति में सोने को केवल आभूषण नहीं, बल्कि आम जनता के लिए सबसे ज्याद एक भरोसे मंद निवेश माना जाता है.

अगर जनता ने सोना खरीदना बंद कर दिया तो सोनारों को आर्थिक और भुखमरी जैसी परेशानियां झेलनी पड़ेगी. वहीं भारतीय संस्कृति में सोने को केवल आभूषण नहीं, बल्कि आम जनता के लिए सबसे ज्याद एक भरोसे मंद निवेश माना जाता है.

ऐसे में पीएम मोदी की इस तरह की अपील से बाजार में असमंजस का माहौल बन जाता है. जिससे न केवल राजस्व का नुकसान होगा, बल्कि इस क्षेत्र में जुड़े एक करोड़ लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा. इसी वजह से यह एक दिवसीय आंदोलन किया जा रहा है.

ऐसे में पीएम मोदी की इस तरह की अपील से बाजार में असमंजस का माहौल बन जाता है. जिससे न केवल राजस्व का नुकसान होगा, बल्कि इस क्षेत्र में जुड़े एक करोड़ लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा. इसी वजह से यह एक दिवसीय आंदोलन किया जा रहा है.

वाराणसी-चंडीगढ़ के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन; लखनऊ से गुजरेगी, यात्रियों को राहत

विशेष एक्सप्रेस 14 मई से 12 जुलाई तक (18 फेरे) के लिए संचालित होगी.

(जीएनएस)।

लखनऊः यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे प्रशासन ने 04227/04228 वाराणसी-चंडीगढ़-वाराणसी आरक्षित ग्रीष्मकालीन विशेष एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन करने का फैसला लिया गया है. उत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक समर्थ गुप्ता ने बताया कि ये ट्रेन लखनऊ होकर गुजरेगी जिससे यात्रियों को काफी राहत मिलेगी. उन्होंने यात्रियों से अनुरोध किया है कि ट्रेनों के रूट के अन्य ठहरावों और समयसारिणी की जानकारी के लिए रेल मदद हेल्पलाइन नं 139 डायल करें. www.enquiry.indianrai.gov.in वेबसाइट पर देखें

उन्होंने बताया कि 04227/04228 वाराणसी-चंडीगढ़-वाराणसी आरक्षित

ग्रीष्मकालीन विशेष एक्सप्रेस 14 मई से 12 जुलाई तक (18 फेरे) के लिए संचालित होगी. प्रत्येक गुरुवार और रविवार को वाराणसी जंक्शन से सुबह 11.05 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 04.20 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी. ट्रेन संख्या 04228 चंडीगढ़-वाराणसी विशेष एक्सप्रेस 15 मई से 13 जुलाई तक (18 फेरे) प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार को चंडीगढ़ से सुबह छह बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 00:55 बजे वाराणसी पहुंचेगी.इस विशेष ट्रेन में कुल 19 कोच लगाए जाएंगे, जिनमें 12 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, पांच वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी और दो एसएलआर शामिल हैं.

इन रूटों से होगी संचालितः इस स्पेशल ट्रेन का संचालन रेलवे वाराणसी जंक्शन, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन, रायबरेली, लखनऊ, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, रुड़की, सहारनपुर, अंबाला कैंट होते हुए चंडीगढ़ तक करेगा. गर्मियों में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है. इससे यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है. संचालन दो दिन बाद 14 मई से करीब दो महीने तक के लिए किया जाएगा.

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

दुनिया को आशा जंग रुके और क्षेत्र में फिर से स्थापित अमन-चैन

एक तरफ तो अमेरिका-ईरान के बीच कहने को तो सीजफायर यानी युद्ध बंदी चल रही है, वहीं दूसरी तरफ जंग भी चल रही है। यह सीजफायर अपनी समझ से तो बाहर है। दावा किया जा रहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले हफ्ते इस्लामाबाद में बातचीत हो सकती है। दोनों देशों के बीच 14 प्वाइंट वाले समझौते पर काम चल रहा है। जिसमें परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज तनाव जैसे मुद्दे शामिल हैं। इस बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की भूमिका को लेकर भी नई जानकारी सामने आई है। अमेरिकी एजेंसियां उन्हें युद्ध और बातचीत में अहम मान रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच अगले हफ्ते इस्लामाबाद में जो बातचीत होनी है उसमें एक प्रमुख मुद्दा एक महीने तक चलने वाली बातचीत की रूपरेखा तैयार करना है, ताकि दोनों देशों के बीच तनाव और युद्ध खत्म किया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रस्ताव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम और ईरान के पास मौजूद हाई एनीरिच्ड यूरेनियम को किसी दूसरे देश में भेजने जैसे मुद्दे शामिल हैं। हालांकि कई अहम मामलों पर अभी भी सहमति नहीं बनी हैं। सबसे बड़ा विवाद परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका की तरफ से ईरान पर लगे प्रतिबंधों से राहत को लेकर है। इस बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर नई जानकारी भी सामने आई है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि मोजतबा खामेनेई युद्ध की रणनीति तय करने और अमेरिका से बातचीत को संभालने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आयतुल्ला मोजतबा खामेनेई ठीक हैं और अब उन्होंने कमान संभाल ली है। एक तरफ तो सीजफायर चल रहा है और डील की बात हो रही है। दूसरी तरफ होर्मुज को लेकर अचानक जंग छिड़ी हुई है। मिडल ईस्ट में शांति की उम्मीदों को एक बार फिर झटका लगा है। गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात को अमेरिका और ईरान के बीच हमले फिर शुरू हो गए हैं। इस हमले के बीच 8 अप्रैल 2026 से चला आ रहा नाजुक सीजफायर टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ये हमले होर्मूज, केशम और बंदर अब्बास इलाके में हुए हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुई इस झड़प के बाद पूरे इलाके में तनाव फिर से चर्म पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले पर सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि ईरान ने अमेरिका के साथ बदतमीजी की है। हालांकि उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि समझौता अब भी मुमकिन है। अमेरिका के सेंट्रल कमांड (सेटकॉम) के अनुसार ईरानी सेना ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तैनात तीन अमेरिकी विध्वंसक जहाजों पर मिसाइलों, ड्रोनों और छोटी नावों से हमला किया। हालांकि, अमेरिका का दावा है कि उनके जहाजों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और जवाबी कार्रवाई में ईरान के उन सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया गया है जहां से ये हमले शुरू हुए थे। दूसरी ओर, ईरानी मीडिया तेहरान टाइम्स ने दावा किया है कि अमेरिकी हमले के कारण उनके जहाजों को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा है। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने वाशिंगटन पर सीजफायर के उल्लघंन का सीधा आरोप लगाया है। सारी दुनिया की नजर प्रस्तावित इस्लामाबाद में शांति वार्ता पर टिकी हुई है।

एक साल तक न करें विदेश यात्रा', पीएम मोदी ने देशवासियों से क्यों की ऐसी अपील ?

(जीएनएस)।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और वैश्विक सप्लाई चेन पर बढ़ते दबाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अगले एक साल तक गैरजरूरी विदेश यात्राओं से बचने की अपील की है। पीएम ने कहा कि मौजूदा हालात में देश की अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

पीएम ने लोगों से ईंधन बचाने, मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करने, वर्क फ्रॉम होम अपनाने और विदेशों में होने वाले गैरजरूरी खर्च कम करने का आग्रह किया। सरकार को आशंका है कि अमेरिका-ईरान तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ती अस्थिरता के कारण भारत पर तेल संकट और महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में सरकार अब 'डोमेस्टिक फर्स्ट' रणनीति के जरिए देश के भीतर खर्च और पर्यटन को बढ़ावा देना चाहती है।

पीएम मोदी ने लोगों से क्या-क्या अपील की

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग्स और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की अपील की है ताकि ईंधन की बचत हो सके। उन्होंने कारपूलिंग अपनाने और निजी वाहनों का कम इस्तेमाल करने की सलाह भी दी।

पीएम मोदी ने शादी-ब्याह में ज्यादा सोना खरीदने और गैरजरूरी विदेश यात्राओं से बचने को कहा। उनका मानना है कि इससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत रहेगा और आर्थिक दबाव कम होगा। इसके अलावा उन्होंने खाने के तेल की खपत घटाने और किसानों से खाद का कम इस्तेमाल करने की अपील करते हुए इसे देशहित से जुड़ा कदम बताया।

भारत के लिए क्यों अहम है यह अपील

विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर पड़ सकता है, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से में तेल सप्लाई होती है। भारत अपनी जरूरत का करीब 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में तेल की कीमतें बढ़ने पर देश में महंगाई और विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ सकता है। सरकार चाहती है कि लोग आयातित सामान और विदेशों में होने वाले खर्च को सीमित रखें ताकि आर्थिक स्थिरता बनी रहे।

विदेश यात्राओं पर भारतीयों का बढ़ता खर्च

रिपोर्ट्स के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीयों ने विदेश यात्राओं पर करीब 31.7 अरब डॉलर यानी लगभग 2.72 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। यह पिछले साल की तुलना में करीब 25 प्रतिशत ज्यादा था।

हर महीने भारतीय करीब 1.42 अरब डॉलर यानी लगभग 12,500 करोड़ रुपये विदेश यात्राओं पर खर्च कर रहे हैं। विदेश घूमने का खर्च अब शिक्षा से भी बड़ा आउटवर्ड रेमिटेंस कैटेगरी बन चुका है और लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत विदेश भेजे जाने वाले कुल पैसे का 53 प्रतिशत हिस्सा ट्रैवल पर खर्च हो रहा है।

युवाओं में तेजी से बढ़ा विदेशी ट्रैवल ट्रेंड

सर्वे और रिपोर्ट्स के मुताबिक विदेश जाने वाले करीब 48 प्रतिशत यात्री मिलेनियल्स और जेनरेशन` से जुड़े हैं। ये युवा वेलनेस, एडवेंचर, वर्क ट्रैवल और एक्सपीरियंस बेस्ड

टूरिज्म पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं।

साल 2024 में भारतीय पर्यटकों के सबसे पसंदीदा देशों में ळँ'ल्र्ला, वल्ल३र्ीा अ१ु ंप्रे१ं३ी२ और वल्ल३र्ीा र३ं३ी२ शामिल रहे। रिपोर्ट्स के मुताबिक आने वाले वर्षों में विदेश यात्रा पर भारतीयों का खर्च 2034 तक 55 अरब डॉलर से ज्यादा पहुंच सकता है।

विदेशी टूर पैकेज पर टैक्स में राहत

हाल ही में पेश किए गए 2026 के बजट में सरकार ने विदेशी टूर पैकेज पर लगने वाले टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स यानी ळउर को घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले यह दर 5 से 20 प्रतिशत तक थी। सरकार का कहना है कि इस फैसले से यात्रियों पर बुकिंग के समय पड़ने वाला अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम होगा और कैश फ्लो बेहतर रहेगा।

'डोमेस्टिक फर्स्ट' रणनीति पर सरकार का जोर

प्रधानमंत्री ने लोगों से विदेश घूमने के बजाय भारत के पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता देने की अपील की है। सरकार का मानना है कि अगर लोग देश के भीतर ज्यादा खर्च करेंगे तो स्थानीय कारोबार, होटल इंडस्ट्री, ट्रैवल सेक्टर और रोजगार को बड़ा फायदा मिलेगा।

सरकार खासतौर पर विदेशों में होने वाली महंगी डेस्टिनेशन वेडिंग्स को लेकर भी चिंतित है और चाहती है कि शादी समारोह भारत में आयोजित किए जाएं ताकि पैसा देश के भीतर ही रहे।

पीएम मोदी के विदेशी दौरे भी तय

एक तरफ प्रधानमंत्री लोगों से गैरजरूरी विदेश यात्राएं कम करने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ वह कई देशों के दौरे पर भी जा रहे हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक ये दौरे भारत की ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने के लिहाज से बेहद जरूरी माने जा रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी United Arab Emirates, Sweden, Netherlands, Norway और Italy की यात्रा करेंगे।

सीएम योगी ने रोंगटे खड़े करने वाले वाक्ये का किया जिक्र, कहा- दशकों तक यूपी अराजकता का पर्याय था, हमने 'एक माफिया एक युग' का अंत किया

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए कहा 'उत्तर प्रदेश का कायापलट केवल प्रशासन में बदलाव नहीं है। इस पहचान में एक गहरा परिवर्तन है। दशकों तक यह राज्य अराजकता का पर्याय था, एक ऐसी जगह जहां माफिया का साया कानून की पहुंच से कहीं अधिक मंडराता था।' आगे उन्होंने कहा 'उत्तर प्रदेश में हम महत्वपूर्ण सुधार लाने में सक्षम रहे हैं। पहले लोग यूपी से जुड़ने में हिचकिचाते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है।'

आज से 9 वर्ष पहले यूपी पहचान के लिए मोहताज था

नई दिल्ली में सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा 'ये सच था कि आज ,से 9 वर्ष पहले भारत की सबसे बड़ी आबादी वाला प्रदेश अपनी पहचान के लिए मोहताज था। उत्तर प्रदेश के नाम में तो उत्तर था लेकिन इसपर खुद प्रश्न चिन्ह लगे थे। हर व्यक्ति उसे संदेह की निगाह से देखता

था।'

प्रयागराज माफिया का किया जिक्र

आगे उन्होंने कहा 'ऐसे समय में जब संगठित अपराध जीवन की गति को नियंत्रित करता था, न्याय के सर्वोच्च प्रतीक भी इससे अछूते नहीं रहे। प्रयागराज में एक बार मुख्य न्यायाधीश के काफिले को सड़क पर रोक दिया गया और उन्हें तब तक इंतजार करना पड़ा जब तक कि स्थानीय माफिया सरगना का काफिला वहां से नहीं गुजर गया। उस माफिया सरगना से मुठभेड़ के बाद ही मुख्य न्यायाधीश ने स्वयं यह घटना साझा की, जिससे उस दौर की झलक मिलती है जब अपराधियों का दबदबा संविधान से कहीं अधिक था।

डीबीटी बिचौलियों को समाप्त किया

सम्बोधन में सीएम योगी ने आगे कहा 'प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) का लाभ उठाकर राज्य ने बिचौलियों को समाप्त कर दिया है, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि गरीबों के लिए निर्धारित प्रत्येक रुपया सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचे। इस डिजिटल क्रांति ने प्रौद्योगिकी को आम नागरिक के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कवच में बदल दिया है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यूपी आगे

सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए योगी ने कहा 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग उत्तर प्रदेश की उस कहानी को बयां करती है, आज बहुत आगे हैं। कभी 13वें या 14वें स्थान पर रहने वाला उत्तर प्रदेश शीर्ष रैंकिंग में पहुंच गया है। यह बदलाव इतना स्पष्ट है कि बंगाल जैसे राज्यों के उद्योगपति भी उत्तर प्रदेश में अपना ठिकाना तलाश रहे हैं और लगभग 7,000 उद्योग राज्य में स्थानांतरित हो चुके हैं।'

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ में भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण टीम द्वारा किए गए रोमांचक फ्लाईपास्ट का अवलोकन किया

प्रधानमंत्री ने इस प्रदर्शन को गौरव और शौर्य का अद्भुत संगम बताया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज सोमनाथ अमृत महोत्सव के शुभ अवसर पर भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम द्वारा प्रस्तुत एक रोमांचक फ्लाईपास्ट का अवलोकन किया।

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि आकाश में गौरव और शौर्य का भव्य संगम सोमनाथ मंदिर पर केसरिया और तिरंगे का प्रकाश फैला रहा था। श्री मोदी ने कहा कि भक्ति और शक्ति

की यह अद्भुत छटा प्रत्येक हृदय को गहन आनंद से भर देती है और प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित करती है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर कई पोस्ट की एक श्रृंखला में लिखाः

"आज सोमनाथ में आकाश में गौरव और शौर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण टीम ने एक रोमांचक फ्लाईपास्ट का प्रदर्शन किया। भक्ति और शक्ति की इस भावना ने प्रत्येक हृदय को असीम प्रसन्नता से भर दिया।"

"सोमनाथ अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर आकाश में गौरव और शौर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। भारतीय वायु सेना की 'सूर्य किरण' एरोबेटिक टीम ने सोमनाथ मंदिर के ऊपर अपने फ्लाईपास्ट से केसरिया और तिरंगे की आभा बिखेर दी। श्रद्धा और शक्ति के इस दृश्य ने हर भारतीय के मन को गौरव से भर दिया!"

कौन हैं आईपीएस विकास वैभव? 6 साल बाद मगध के नए आईजी बन फील्ड पर लौटे धाकड़ अफसर, कांप उठेंगे अपराधी

(जीएनएस)।

बिहार की सम्राट चौधरी सरकार द्वारा किए गए बड़े प्रशासनिक फेरबदल में सबसे ज्यादा चर्चा जिस नाम की हो रही है, वह IPS अधिकारी विकास वैभव हैं। करीब छह साल बाद उनकी मुख्यधारा की पुलिसिंग में वापसी हुई है। उन्हें मगध रेंज का नया IG बनाया गया है। गया मुख्यालय वाले इस महत्वपूर्ण पद पर उनकी नियुक्ति के बाद पुलिस विभाग से लेकर सोशल मीडिया तक हलचल तेज हो गई है।

विकास वैभव को बिहार में ईमानदार, सख्त और संवेदनशील अधिकारी के रूप में देखा जाता है। युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं है। 'लेट्स इंस्पायर बिहार' जैसे अभियान के जरिए उन्होंने लाखों युवाओं को शिक्षा, सामाजिक बदलाव और सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित किया है। अब उनकी नई जिम्मेदारी को लेकर मगध क्षेत्र में पुलिसिंग और कानून व्यवस्था में बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है।

विकास वैभव बिहार कैडर के 2003 बैच के IPS अधिकारी हैं। अपनी कार्यशैली और साफ छवि की वजह से उन्होंने अलग पहचान बनाई। बिहार में उन्हें एक ऐसे अधिकारी के तौर पर देखा जाता है जो सख्ती के साथ संवेदनशीलता भी रखते हैं। सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता और युवाओं से सीधा जुड़ाव उन्हें बाकी अधिकारियों से अलग बनाता है।

विकास वैभव ने देश के प्रतिष्ठित संस्थान IIT कानपुर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उनके सामने कॉरपोरेट सेक्टर में बड़े पैकेज वाली नौकरी के कई मौके

थे, लेकिन उन्होंने प्रशासनिक सेवा का रास्ता चुना। उन्होंने देश सेवा को प्राथमिकता देते हुए IPS बनने का फैसला लिया।

लंबे समय तक प्रशासनिक और सलाहकार भूमिकाओं में रहने के बाद अब उनकी फील्ड पुलिसिंग में वापसी हुई है। सरकार ने उन्हें मगध रेंज का IG बनाया है। गया, औरंगाबाद, नवादा, जहानाबाद और अरवल जैसे अहम जिलों की जिम्मेदारी उनके पास होगी। नई पोस्टिंग मिलने के बाद विकास वैभव ने सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता कानून का शासन पूरी निष्पक्षता और बिना किसी डर या पक्षपात के लागू करना होगा।

नक्सलवाद के खिलाफ चलाए बड़े अभियान

विकास वैभव का नाम उन अधिकारियों में लिया जाता है जिन्होंने नक्सलवाद के खिलाफ जमीन पर काम किया। रोहतास के SP रहते हुए उन्होंने कैमूर की पहाड़ियों में नक्सलियों के खिलाफ कई बड़े अभियान चलाए थे। उस समय यह इलाका काफी संवेदनशील माना जाता था। उनके नेतृत्व में पुलिस ने कई सफल ऑपरेशन किए, जिससे इलाके में नक्सली गतिविधियां कमजोर हुईं।

NIA में भी निभाई अहम भूमिका

राज्य पुलिस के अलावा विकास वैभव ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी ठक्ञ में भी काम किया। वहां उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों की जांच की और अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर तक बनाई। आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच में उनके काम की काफी चर्चा हुई थी।

'लेट्स इंस्पायर बिहार' से बने यूथ आइकॉन

विकास वैभव केवल पुलिस अधिकारी तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने "Let's Inspire Bihar" अभियान शुरू किया, जिसका मकसद बिहार के युवाओं को शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित करना था। इस अभियान के जरिए वे लगातार छात्रों और युवाओं से संवाद करते रहे हैं। उनका "नमस्ते बिहार" संदेश भी सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हुआ।

2025 में इस्तीफे की खबरों से रहे चर्चा में

बिहार में 2025 के चुनाव से पहले विकास वैभव के राजनीति में आने और इस्तीफा देने की खबरें तेजी से फैली थीं। हालांकि बाद में उन्होंने खुद सामने आकर इन खबरों का खंडन किया था। उन्होंने कहा था कि समाज सेवा करने के लिए राजनीति में आने की जरूरत नहीं होती और वे अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे।

मगध रेंज में सामने होंगी बड़ी चुनौतियां

मगध रेंज बिहार का बेहद महत्वपूर्ण इलाका माना जाता है। गया में हर साल पितृपक्ष मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसके अलावा पर्यटन सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखना भी बड़ी चुनौती है। ऐसे में विकास वैभव की पोस्टिंग को सरकार की अहम रणनीतिक नियुक्ति माना जा रहा है।

दिलीप घोष को ग्रामीण विकास-निसिथ को खेल

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में इखढ की ऐतिहासिक जीत के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शपथ ग्रहण के कुछ दिनों बाद नवगठित मंत्रिमंडल के विभागों का बंटवारा कर दिया। यह बंटवारा केवल विभागों का आवंटन नहीं, बल्कि इखढ की बंगाल में लंबी अवधि की सामाजिक, जातीय और क्षेत्रीय रणनीति का साफ संकेत है।

वरिष्ठ नेता दिलीप घोष को ग्रामीण विकास एवं पशु विकास विभाग, निसिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास, युवा कल्याण एवं खेल, अग्निमित्रा पाल को महिला एवं बाल कल्याण तथा नगर निगम, खुदीराम टुडू को आदिवासी विकास और अशोक कीर्तनिया को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग सौंपा गया है। आइए जानते हैं किस मंत्री को क्या मिला?

अशोक कीर्तनिया : खाद्य एवं आपूर्ति, सहकारिता मंत्रालय, दिलीप घोष : ग्रामीण विकास, पशु संसाधन विकास, कृषि विपणन, अग्निमित्रा पॉल : महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, नगर निकाय विभाग, निसिथ प्रमाणिक : उत्तर बंगाल विकास, खेल और युवा कल्याण मंत्रालय, खुदीराम टुडू : जनजातीय विकास, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा, सुवेंदु अधिकारीः गृह मंत्रालय समेत अन्य सभी मंत्रालय

मंत्रिमंडल का बंटवारा किस आधार पर? समझें...

सुवेंदु अधिकारी (ब्राह्मण चेहरा) के नेतृत्व वाले इस मंत्रिमंडल में इखढ ने जाति, समुदाय और क्षेत्रीय संतुलन को बेहद सावधानी से ध्यान में रखा है। यह बंटवारा पार्टी की बंगाल में विस्तार की नई रणनीति को रेखांकित करता है। आइए समझते हैं...

1. दिलीप घोषः ग्रामीण विकास एवं पशु विकास

इखढ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राज्य के सबसे मजबूत डइउ चेहरों में शामिल दिलीप घोष को ग्रामीण विकास जैसे अहम विभाग सौंपा जाना कोई संयोग नहीं। घोष ने वर्षों तक जमीनी स्तर पर संगठन खड़ा किया है। ग्रामीण बंगाल में इखढ की पैठ बढ़ाने में उनकी भूमिका निर्णायक रही है। पशु विकास विभाग भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

2. निसिथ प्रमाणिकः उत्तर बंगाल विकास, युवा कल्याण एवं खेल

राजबोंगशी समुदाय के प्रमुख चेहरे निसिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास जैसे संवेदनशील विभाग का प्रभार सौंपा गया। उत्तर बंगाल इखढ के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम क्षेत्र रहा है। युवा कल्याण और खेल विभाग युवा मतदाताओं को आकर्षित करने की इखढ की कोशिश का हिस्सा है।

3. अग्निमित्रा पाल : महिला एवं बाल कल्याण, नगर निगम

फैशन डिजाइनर से राजनीतिज्ञ बनी अग्निमित्रा पाल मंत्रिमंडल की एकमात्र महिला मंत्री हैं। इखढ महिला मोर्चा की पूर्व नेता और राज्य इकाई की उपाध्यक्ष रह चुकी पाल को यह जिम्मेदारी सौंपी जाना महिला मतदाताओं और शहरी स्थानीय निकायों में पार्टी की पकड़ मजबूत करने का संकेत है।

4. अशोक कीर्तनिया : खाद्य एवं आपूर्ति

मतुआ समुदाय के प्रभावशाली नेता अशोक कीर्तनिया को खाद्य विभाग दिया गया। मतुआ बंगाल की राजनीति में एक अहम वोट बैंक है। उअअ के बाद इस समुदाय ने इखढ को खुलकर समर्थन दिया। खाद्य विभाग उन्हें जनता से सीधे जुड़ने का मौका देगा।

5. खुदीराम टुडू : आदिवासी विकास

आदिवासी समुदाय से आने वाले खुदीराम टुडू को जनजातीय विकास विभाग सौंपा गया। BJP ने 2026 चुनाव में सभी 16 अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीटों पर जीत हासिल की थी। यह विभाग आदिवासी बहुल क्षेत्रों में विकास कार्यों और पार्टी के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण है।

BJP की रणनीतिः जाति-समुदाय-क्षेत्र का गठजोड़

मंत्रिमंडल का गठन BJP की बंगाल में 'सबका साथ, सबका विकास' की नई बंगाली संस्करण को दशार्ता है। OBC: दिलीप घोष, महिलाः अग्निमित्रा पाल, मतुआः अशोक कीर्तनिया, राजबोंगशीः निसिथ प्रमाणिक, आदिवासीः खुदीराम टुडू

यह संतुलन 2026 के चुनावी नतीजों का नतीजा है, जहां BJP ने पारंपरिक वाम-कांग्रेस-तृणमूल के द्रविड़-सेकुलर गठजोड़ को तोड़कर व्यापक सामाजिक गठबंधन खड़ा किया।

9 मई को शपथ ग्रहण समारोहः सांस्कृतिक और राजनीतिक संदेश

9 मई 2026 को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और इखढ शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों ने शिरकत की। पार्टी ने यह तारीख खासतौर पर चुनी क्योंकि यह नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती से मेल खाती है। समारोह में बंगाली संस्कृति को प्रमुखता दी गई, झालमुड़ी, पारंपरिक मिठाइयों के स्टॉल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए इखढ ने 'बंगाल की अपनी पार्टी' होने का संदेश देने की कोशिश की।

दिलीप घोष, निसिथ प्रमाणिक, अग्निमित्रा पाल समेत नए मंत्रियों को दिए गए विभाग इखढ की बंगाल में सामाजिक इंजीनियरिंग और क्षेत्रीय संतुलन की समझ को दिखाते हैं। सुवेंदु कैबिनेट न केवल सत्ता संभालने का प्रतीक है, बल्कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नई सामाजिक गठबंधन व्यवस्था की शुरूआत भी है।

अब देखना यह होगा कि ये मंत्री अपने-अपने विभागों में कितनी प्रभावी ढंग से काम कर पाते हैं और इखढ बंगाल में अपनी जड़ें कितनी गहरी कर पाती है।

लखनऊ में सस्ते घरों का सपना होगा साकार, सीतापुर रोड पर एलडीए बनाएगा 900 फ्लैट

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मध्यम और अल्प आय वर्ग को किफायती दरों पर आवास उपलब्ध कराने की दिशा में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) बड़ी पहल करने जा रहा है। इसके अंतर्गत एलडीए सीतापुर रोड पर लगभग 900 एलआईजी और ईडब्ल्यूएस भवन बनाएगा। जिनकी कीमत 15 लाख से 35 लाख रुपये तक होगी। इससे आम नागरिकों को शहर में आबादी के बीच प्राइम लोकेशन पर बेहतरीन आवासीय सुविधा मिल सकेगी।

शिया पीजी कॉलेज के पास बनेगा अपार्टमेंट

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने इस परियोजना पर मुहर लगा दी है। अब जल्द ही बहुमंजिला अपार्टमेंट के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया कराई जाएगी। इस संबंध में एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि सीतापुर रोड पर शिया पीजी कॉलेज के पास कब्जामुक्त कराई गई लगभग 16,000 वर्गमीटर जमीन पर यह ग्रुप हाउसिंग परियोजना विकसित की जाएगी। जिसके लिए विस्तृत

कार्ययोजना व ले-आउट प्लान तैयार कराया गया है।

फ्लैट की ये होगी कीमत

एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि यहां 582 एलआईजी और 336 ईडब्ल्यूएस श्रेणी के भवन निर्मित किए जाएंगे। एलआईजी भवन 2 बीएचके के होंगे, जिनका क्षेत्रफल लगभग 50 वर्गमीटर होगा। 2 बीएचके के भवन की कीमत लगभग 35 लाख रुपये होगी। वहीं, 1 बीएचके के ईडब्ल्यूएस भवन लगभग 38 वर्गमीटर क्षेत्रफल के होंगे, जिनकी कीमत लगभग 15 लाख रुपये रखी जाएगी। इससे मध्यम और अल्प आय वर्ग के परिवारों के लिए शहर में अपने आवास का सपना साकार हो सकेगा।

शानदार लोकेशन

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि यह प्रोजेक्ट शिया पीजी कॉलेज के पास मुख्य सीतापुर रोड पर होगा, जिससे लोगों को राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही यह घनी आबादी वाला क्षेत्र है, जहां स्कूल-कॉलेज, अस्पताल, मॉल, बाजार, रेलवे स्टेशन, सब्जी एवं फल मंडी समेत सभी सुविधाएं पहले से मौजूद हैं। इससे इस परियोजना की लोकेशन बेहद प्राइम होगी, जबकि भवनों की कीमत किफायती होगी।

आपस में कनेक्ट होंगे सभी टावर

एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि इस आवासीय परियोजना में सभी टावर आपस में इंटर कनेक्ट होंगे, जिससे लोगों को आवागमन में आसानी होगी। अपार्टमेंट्स में 8 पैसेंजर लिफ्ट और 3 सर्विस लिफ्ट का प्रावधान किया जाएगा। योजना में 600 से अधिक वाहनों के लिए बेसमेंट और स्टिल्ट पार्किंग की व्यवस्था होगी। इसके अलावा लगभग 3,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में पार्क एवं ग्रीन एरिया विकसित किया जाएगा।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2026 के अवसर पर आईसीएमआर ने तीन स्वदेशी चिकित्सा प्रौद्योगिकियों को उद्योग को हस्तांतरित किया

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस कार्यक्रम 'विज्ञान- टेक ' भारत की वैज्ञानिक उत्कृष्टता और तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए 14 वैज्ञानिक मंत्रालयों और विभागों को एक मंच पर एकत्रित किया

(जीएनएस)।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2026 के अवसर पर बीआरआईसी-राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई), नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम 'विज्ञान - टेक' में भाग लिया। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय द्वारा जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के सहयोग से समन्वित इस कार्यक्रम में सरकार के समग्र सहयोग का दृष्टिकोण झलकता है, जिसमें भारत की वैज्ञानिक उत्कृष्टता और तकनीकी प्रगति का जश्न मनाने के लिए 14 वैज्ञानिक मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाया गया।

इस कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शिरकत की, जिन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और नवप्रवर्तकों एवं प्रदर्शकों से बातचीत की। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

अपने प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत, आईसीएमआर ने जैव-फार्मा, स्वास्थ्य और जैव-औद्योगिक एवं हरित रसायन क्षेत्रों में फैली छह उच्च-प्रभावशाली स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। इनमें कोवैक्सिन, कोविड कवच एलिसा किट, सीआरआईएसपीआर-कैस आधारित टीबी पहचान प्रणाली, निपाह प्वाइंट-ऑफ-केयर एसे, डेंगू की पहचान के लिए एक डायग्नोस्टिक एलिसा किट और मच्छर नियंत्रण के

लिए एक बायोलार्विसाइड शामिल थे।

इसके अतिरिक्त, इस आयोजन के दौरान जारी आधिकारिक संकलन में विभिन्न आईसीएमआर संस्थानों द्वारा विकसित 25 आशाजनक प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को शामिल किया गया। इन नवाचारों ने निदान, चिकित्सा उपकरण, डिजिटल स्वास्थ्य, रोग निगरानी और अनुवांशिक अनुसंधान में आईसीएमआर के महत्वपूर्ण योगदान को उजागर किया, जिससे स्वदेशी अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं को संबोधित करने की इसकी प्रतिबद्धता को बल मिला।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण आईसीएमआर की मेडिकल इनोवेशन पेटेंट मित्र पहल के तहत सुगम बनाए गए लाइसेंसिंग समझौतों के माध्यम से आईसीएमआर द्वारा विकसित तीन प्रौद्योगिकियों का उद्योग भागीदारों को हस्तांतरण था।

पहली तकनीक, जिसका शीर्षक "पीएसए 20 ल्लॅ/ ' से कम वाले मरीजों में प्रोस्टेट बायोप्सी के फैसलों में मदद के लिए एक किफायती पीएसपी 94 एलिसा का विकास" है, को आईसीएमआरझ्नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन वीमेन्स हेल्थ (आईसीएमआर-एनआई आरडब्ल्यू ओएच) में डॉ. धनश्री जगताप, डॉ. स्मिता महाले और डॉ. भक्ति पाठक ने विकसित किया था। इस तकनीक का लाइसेंस कृषजेन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था।

दूसरी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में "फैक्टर श्क्क्कइनहिबिटर / कोगुलेशन डिसऑर्डर पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक" शामिल था, जिसे आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन ब्लड एंड इम्यून डिसऑर्डर्स (आईसीएमआर-एनआईआरबीआईडी) में डॉ. रुचा पाटिल द्वारा विकसित किया गया था। इस प्रौद्योगिकी का लाइसेंस मेरिल लाइफ साइंसेज को दिया गया था।

तीसरी तकनीक, "डेंगू, चिकनगुनिया और जीका वायरस का पता लगाने के लिए सिंगल-ट्यूब मल्टीप्लेक्स रियल-टाइम आरटी-पीसीआर," को आईसीएमआर-राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईवी) में डॉ. अलागारासु के द्वारा विकसित किया गया था और वैनगार्ड लाइफ साइंसेज को लाइसेंस दिया गया था।

ये प्रौद्योगिकी हस्तांतरण राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और समझौता ज्ञापन विनिमय सत्र के दौरान किए गए, जो भाग लेने वाले मंत्रालयों और विभागों के स्वायत्त संस्थानों और प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने वाले एक राष्ट्रीय संकलन के विमोचन के साथ आयोजित किया गया था।

इन प्रौद्योगिकियों का सफल हस्तांतरण सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित नवाचारों की सुरक्षा के लिए आईसीएमआर की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिसके तहत संरचित बौद्धिक संपदा सहायता प्रदान की जाती है और साथ ही उद्योग-अनुकूल समाधानों में उनका सहज रूपांतरण सुनिश्चित किया जाता है। यह पहल स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देकर, चिकित्सा नवाचार मूल्य श्रृंखला को मजबूत करके और आत्मनिर्भर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को विकसित करके ' मेक इन भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप है। 'विज्ञान - टेक" कार्यक्रम ने भारत के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने और सरकार, शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य किया। इस आयोजन ने विकसित भारत की परिकल्पना के समर्थन में एक सशक्त नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए वैज्ञानिक मंत्रालयों और विभागों के सामूहिक संकल्प की पुष्टि की।

विनियामक मंच की ऐतिहासिक 100वीं बैठक आयोजित हुई; देश के विद्युत क्षेत्र को मजबूत करने के 21 वर्ष पूरे होने का मनाया गया जश्न

(जीएनएस)।

विनियामक मंच ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में सफलतापूर्वक अपनी 100वीं बैठक आयोजित की, जो इसकी 21 वर्षों की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्ष 2005 में स्थापित 'विनियामक मंच' एक वैधानिक मंच के रूप में कार्य करता है, जो विद्युत क्षेत्र में विनियामक प्रथाओं के समन्वय और सुधार के लिए केंद्रीय और राज्य विद्युत विनियामक आयोगों को एक साथ लाता है।

इन वर्षों में इस मंच ने 71 अध्ययन, 55 क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए हैं, 25 आदर्श विनियम जारी किए हैं और 6 तकनीकी समिति रिपोर्ट व 37 कार्य समूह रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं। इन पहलों ने देश में विद्युत क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन और टीईआरआई के विशिष्ट वक्ता श्री

अजय शंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सीईआरसी/एफओआर के अध्यक्ष श्री जिष्णु बरुआ ने विशिष्ट अतिथियों और एफओआर के सदस्यों का इस 100वीं बैठक में स्वागत किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान डॉ. पी.के. मिश्रा ने 'विनियामक मंच' को संबोधित किया और पिछले दशक में देश के विद्युत क्षेत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और इस सफलता में मंच द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसी मंच पर खुली पहुंच, टैरिफ युक्तिकरण और विद्युत कंपनियों की अनबंडलिंग जैसी जटिलताओं पर चर्चा और सुधार किए गए। तब से यह 'मंच' एक सुधार और मार्गदर्शन देन वाली संस्था के रूप में विकसित हुआ है, जो इस क्षेत्र को विभिन्न विनियामकीय चुनौतियों से निपटने में मदद कर रहा है।

डॉ. मिश्रा ने "फोरम ऑफ रेगुलेटर्स कॉफी टेबल बुक" का भी विमोचन किया, जिसमें 'मंच' की यात्रा, उपलब्धियों और भविष्य के विजन का विवरण प्रस्तुत किया है। डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन ने बदलते वैश्विक परिवेश में विकसित होते भू-राजनीतिक परिदृश्य और भारत की ऊर्जा संबंधी स्थिति तथा इस अंतर को पाटने में विद्युत क्षेत्र की भूमिका पर चर्चा की। श्री अजय शंकर ने 'नेट जीरो' प्राप्त करने के लक्ष्य के बारे में बात की और बताया कि चल रहे 'सौर मिशन' से कैसे महत्वपूर्ण सबक सीखे जा सकने और कार्बन उत्सर्जन कम करने में तेजी लाने के लिए क्या पहलें की जा सकती हैं।

विनियामक मंच की 100वीं बैठक के उद्घाटन सत्र के अंत में सीईआरसी/एफओआर के सचिव हरप्रीत सिंह पृथी ने इस कार्यक्रम में उपस्थित रहने और विनियामकों के साथ अपने बहुमूल्य विचार व मार्गदर्शन साझा करने के लिए डॉ. पी.के. मिश्रा का आभार व्यक्त किया।

हमने पिछली सरकारों के गड्ढों को भरा, अब यूपी को बुलेट ट्रेन की स्पीड से आगे बढ़ाने की बारीः सीएम योगी

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित सीआईआई की वार्षिक बिजनेस समिट-2026 में उत्तर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक परिवर्तन की विस्तृत तस्वीर पेश करते हुए कहा कि हमने अभी तक नींव को पुख्ता किया है, पिछली सरकारों के पाप के गड्ढों को भरा है। अब डबल इंजन की सरकार को बुलेट ट्रेन की स्पीड से आगे बढ़ाने की बारी है।

किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति उसकी मैन्युफैक्चरिंग शक्ति पर निर्भर करती है। उद्योग और उद्यमिता मजबूत होंगे तो रोजगार, निवेश और समृद्धि स्वतः बढ़ेगी। दुनिया के अधिसंख्य संघर्षों और युद्धों के पीछे भी आर्थिक हित ही प्रमुख कारण रहे हैं। ऐसे में कोई भी देश अपने उद्यमियों की उपेक्षा नहीं कर सकता।

सीएम योगी ने कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। 75 वर्ष पहले आज के दिन ही प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव की प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी द्वारा पुनर्प्रतिष्ठा संपन्न हुई थी। आज ही के दिन अटल जी ने पोखरण में परमाणु परीक्षण के माध्यम से 'ऑपरेशन शक्ति' का प्रदर्शन किया था।

भारत की यह ताकत न केवल उसके सामर्थ्य का प्रतीक है, बल्कि वैश्विक मानवता एवं कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करती है। जिसके पास शक्ति होगी, जो सामर्थ्यवान होगा, वही करुणा व मैत्री का मार्ग भी प्रशस्त कर पाएगा। केवल हाथ फैलाने, गिड़गिड़ाने से दुनिया हमें गंभीरता से नहीं लेगी। कोई हमारी बात नहीं मानेगा और न ही हम पर विश्वास करेगा।

उत्तर प्रदेश पर लगे थे अनेक प्रश्नचिह्न

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था, जब उत्तर प्रदेश अपनी पहचान के संकट से जूझ रहा था। प्रदेश का नाम सुनते ही लोग दूरी बना लेते थे। कानून व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब थी कि हर वर्ष 300 से अधिक दंगे होते थे, गुंडा टैक्स वसूला जाता था और उद्यमी पलायन करने को मजबूर थे।

उत्तर प्रदेश के नाम के आगे 'उत्तर' था, लेकिन स्वयं उसके ऊपर अनेक प्रश्नचिह्न लगे हुए थे। प्रदेश

दंगों, माफिया राज, गुंडा टैक्स और पलायन की पहचान बन चुका था। यात्रा कर रहे लोग अंधेरा होते ही सड़कों पर गड्ढे दिखने पर समझ जाते थे कि यूपी का बॉर्डर आ गया है। 2017 से पहले यही उत्तर प्रदेश की पहचान बनी थी।

मठ का अनुभव प्रदेश के संचालन में सहायता कर रहा

मुख्यमंत्री ने बताया कि जब वह पहली बार सांसद बने थे और गोरखपुर के बंद पड़े फर्टिलाइजर कारखाने को शुरू कराने के लिए तत्कालीन केंद्रीय मंत्री से मिले, तो उनसे पूछा गया कि 'यूपी में चुनाव जीतकर आए हैं, कितने लोगों का मर्डर हुआ था?' यह उस दौर के उत्तर प्रदेश की छवि थी। 2017 में प्रधानमंत्री ने जब उन्हें उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी, तब उनके पास प्रशासनिक अनुभव नहीं था।

सीएम योगी ने कहा कि मैं तो मठ चलाता था, लेकिन मठ प्रबंधन का अनुभव मुझे प्रदेश चलाने में बड़ी सहायता कर रहा है। क्योंकि किसी भी मठ का अपना एक अनुशासन होता है। समयबद्ध तरीके से कार्यक्रम संचालित होते हैं। वित्त का भी अनुशासन होता है और हर प्रकार की सुरक्षा के लिए भी उस अनुशासन को लागू करना पड़ता है।

मैंने उसी अनुभव को प्रदेश प्रशासन में लागू किया। सबसे पहली प्राथमिकता सुरक्षा का वातावरण स्थापित करना था। रूल ऑफ लॉ को लागू करने, पॉलिसी पैरालिसिस समाप्त करने और सेक्टोरल पॉलिसी बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रयागराज का उदाहरण देते हुए कहा कि एक समय ऐसी स्थिति थी कि एक माफिया ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के काफिले तक को रुकवा दिया था। लेकिन आज उत्तर प्रदेश में कोई भी माफिया ऐसा दुस्साहस नहीं कर सकता। अब बेटियां सुरक्षित माहौल में स्कूल जा रही हैं और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पलायन करने वाले परिवार लौट रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कैराना का उल्लेख करते हुए कहा कि 2015 में एक व्यापारी की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद पूरा परिवार प्रदेश छोड़कर चला गया। लेकिन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के बाद वही परिवार वापस लौटा। किसी भी राज्य के विकास की पहली शर्त सुरक्षा का वातावरण है और सरकार का दायित्व है कि वह हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान करे।

उद्योगों को ठोस सुरक्षा, कनेक्टिविटी और मजबूत सप्लाई चेन

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा के साथ-साथ सरकार ने कृषि और उद्योग दोनों क्षेत्रों में व्यापक सुधार किए। किसानों की आत्महत्या रोकने, खेती को तकनीक से जोड़ने और एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने पर विशेष काम हुआ। सरकार ने बड़े निवेशों को आकर्षित करने के लिए लैंड बैंक तैयार किया और उद्योगों के लिए स्पष्ट नीतियां बनाई।

2018 में शुरू की गई वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट योजना आज प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिला रही है। ओडीओपी के माध्यम से डिजाइन, पैकेजिंग, तकनीक और ब्रांडिंग को बढ़ावा दिया गया।

96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां प्रदेश में रोजगार और उत्पादन का आधार बन चुकी हैं। एमएसएमई सेक्टर लगभग 3 करोड़ युवाओं को रोजगार दे रहा है। इसलिए यह सरकार की जिम्मेदारी है कि उद्योगों को सुरक्षा, कनेक्टिविटी और मजबूत सप्लाई चेन उपलब्ध कराई जाए।

सांस्कृतिक-धार्मिक विरासत को मिली वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश में 156 करोड़ पर्यटक आए, जिनमें महाकुंभ में आए 66-67 करोड़ श्रद्धालु भी शामिल थे। काशी, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन, विंध्याचल, नैमिषारण्य, बौद्ध और जैन सर्किट सहित प्रदेश की सांस्कृतिक-धार्मिक विरासत को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने का कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकल चुका है और देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनकर उभर रहा है।

इस अवसर पर सीआईआई के अध्यक्ष राजीव मेमानी, महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी, 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सेमटेल एवोनिक्स पुनीत कौरा, चेयरपर्सन आनंद ग्रुप अंजलि सिंह, अध्यक्ष हीरो एंटरप्राइजेज सुनील कांत मुंजाल, प्रबंध निदेशक त्रिवेणी टर्बाइन लिमिटेड निखिल सवानी, सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक जुबिलेंट भरतिया ग्रुप एचएस भरतिया, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज डॉ. रघुपति सिंघानिया, सीएमडी सुब्रोस लि. श्रद्धा सूरी मारवाह, सीएमडी आईजीएल उमाशंकर भरतिया तथा सीआईआई से जुड़े अन्य उद्यमी मौजूद रहे।

बंगाल सीएम शुभेन्दु अधिकारी ढअ हत्या केसः आरोपी की मां बोली, 'मेरा बेटा निर्दोष है, लखनऊ में शादी में था'

बंगाल उट शुभेन्दु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ राठ की हत्या मामले में आरोपी राज सिंह की मां ने कहा कि उनका बेटा निर्दोष है और हत्या के समय लखनऊ में शादी में मौजूद था। जानिए उन्होंने क्या कहा है?

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के निजी सहायक (PA) चंद्रनाथ राठ की हत्या के मामले में आरोपी राज सिंह की मां ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनका बेटा निर्दोष है और जिस समय हत्या हुई, वह लखनऊ में एक शादी में मौजूद था। इस बयान में उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है। साथ ही पुलिस और सरकार से न्याय की गुहार लगाई है।

आरोपी की मां का बयान

आरोपी राज सिंह की मां ने अपने बेटे को निर्दोष बताया है। उन्होंने कहा कि जिस समय हत्या हुई, उस वक्त उनका बेटा राज सिंह एक एमएलसी की बेटी की शादी में लखनऊ गया था। उनका कहना है कि पूरे सफर के दौरान वह अपने बेटे के साथ थीं।

उन्होंने बताया कि उनके ड्राइवर ओमप्रकाश सिंह, शादी की फोटोग्राफी के लिए गया एक लड़का और राज का दोस्त मोनि सिंह भी उनके साथ थे। यानी कुल पांच लोग इस यात्रा में शामिल थे।

उन्होंने कहा कि सभी लोग शादी समारोह के पास बने एक गेस्ट हाउस में रुके थे। शादी में शामिल होने के लिए रात में लड़के समारोह में चले गए थे जबकि वह गेस्ट हाउस में ही रहीं। देर रात सभी वापस लौटे और फिर वहीं रुककर सो गए।

राज सिंह की मां के अनुसार, अगले दिन सुबह सभी लोग तैयार होकर अंबेडकर नगर स्थित चौचहार शरीफ दरगाह में दुआ करने गए थे। उन्होंने कहा कि इस पूरे दौरान उनका बेटा उनके साथ था और लखनऊ से बाहर कहीं नहीं गया।

आरोपी मां ने यह भी कहा कि उनके परिवार का कोलकाता से कोई संबंध नहीं है। न तो वहां पर उनके रिश्तेदार रहते हैं और न ही वह अपने बेटे के साथ कभी कोलकाता गई हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब उनका बेटा लखनऊ में मौजूद था तो उसे इस मामले में क्यों फंसाया जा रहा है।

उन्होंने सरकार और जांच एजेंसियों से अपील की कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए। उनका कहना है कि उनके पास बेटे के लखनऊ में होने के सबूत भी हैं। उन्होंने मोबाइल लोकेशन, बाजार में खरीदारी और अन्य रिकॉर्ड की जांच करने की मांग करते हुए कहा कि इससे सच्चाई सामने आ जाएगी।

मजदूरों की जिंदगी में एक नए सवेरे का आगाज हो रहा है- शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

भारत के ग्रामीण विकास इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर स्थापित करते हुए केंद्र सरकार ने आज 11 मई 2026 को विकसित भारतझ्रगारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी श्इझ्र फ्अट ऋ अूइ के क्रियान्वयन की अधिसूचना जारी कर दी है, जिसे 1 जुलाई 2026 से पूरे देश में लागू किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह कानून ग्रामीण गरीब, श्रमिक परिवारों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और किसानों के जीवन में नई आशा, अधिक आय सुरक्षा और गांवों में बड़े पैमाने पर टिकाऊ विकास कार्यों का मार्ग खोलेगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भोपाल में मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि विकसित भारत जी-राम जी अधिनियम की अधिसूचना जारी कर दी गई है और 1 जुलाई से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार चाहने वाले मजदूर भाई-बहनों को अब साल में 100 नहीं, 125 दिन का रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीच के समय में मनरेगा के सारे प्रावधान लागू रहेंगे और अधूरे काम 1 जुलाई के पहले तक मनरेगा के अंतर्गत ही पूरे किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्यों से व्यापक स्तर पर सलाह-मशविरा कर नियम बनाने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन सरकार की चिंता यह है कि ट्रांजिशन पीरियड में कोई भी मजदूर भाई-बहन रोजगार से वंचित न हो, और इसकी संपूर्ण व्यवस्था कर दी गई है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत जी-राम जी के अंतर्गत अधिकांश राज्यों को अपेक्षित तैयारी के लिए अधिकतम छह माह का समय रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि 1 जुलाई तक कोई राज्य अपेक्षित तैयारी नहीं कर पाया, तो 1 जुलाई के बाद कामों का फंडिंग पैटर्न विकसित भारत जी-राम जी योजना के अंतर्गत होगा।

शिवराज सिंह ने कहा कि योजना के तहत रोजगार देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने अपने बजट में 95,000 करोड़ रु. से अधिक की राशि का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राज्यों ने भी अपने-अपने बजट में इसे लागू करने के लिए प्रावधान किया है और केंद्र व राज्यों की कुल राशि 1,51,000 करोड़ रु. से अधिक होगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि मजदूरों को भुगतान उझ्ळ के माध्यम से उनके बैंक या डाकघर के खातों में किया जाएगा। कोशिश होगी कि तीन दिन के अंदर भुगतान हो, लेकिन अधिकतम 15 दिन के भीतर प्रक्रियाएं पूरी कर उनके खाते में पैसा पहुंच जाए।